न्यायालय सिविल जज(सी०डि०) ,झाँसी।

मूलवाद सं०- ४२१/ २०२२

तेजस्वी कंचन आदि बनाम विनोद कुमार कंचन आदि

दिनांक- १४. ११. २०२२

पत्रावली प्रस्तुत। बार- बार पुकार लगाये जाने पर कोई उपस्थित नही। पत्रावली पुनः मध्यावकाश पश्चात पेश हो।

(ईश्वर शरण कन्नौजिया)
सिविल जज(सी०डि०) , झाँसी।

बादहूः-

पत्रावली पुऩः प्रस्तुत। बार- बार पुकार लगाये जाने पर उभयपक्ष अनुपस्थित। कोई स्थगन प्रार्थना पत्र प्रस्तुत नही किया गया है। ऐसी स्थिति में उभयपक्ष की अनुपस्थिति को दृष्टिगत रखते हुए ऐसा प्रतीत होता है कि उभयपक्ष वाद को चलाने में इच्छुक नही है। अतः वाद उभयपक्षों की अनुपस्थिति में निरस्त किया जाता है। पत्रावली नियमानुसार दाखिल दफ्तर हो।

(ईश्वर शरण कन्नौजिया)
सिविल जज(सी०डि०) , झाँसी।